प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

ESSAY

Time : 3 Hours]

[Full Marks : 300

Section—I

खण्ड—I

Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

1. ☐ Science and technology are helpful in understanding the mysteries of the universe

विज्ञान और प्रौद्योगिकी ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने में सहायक हैं

2. ☑ Improving the agricultural system can support the rural economy of the nation

कृषि व्यवस्था में सुधार कर देश के ग्रामीण अर्थतंत्र को सशक्त बना सकते हैं

3. ☐ Black money economy is the main cause of crime and corruption

काले धन की अर्थव्यवस्था अपराध और भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण है

4. ☐ The modern communication revolution has revolutionized human awareness of means of communication and technology

आधुनिक संचार क्रांति ने मानव के संचार के साधनों और टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूकता में क्रांतिकारी रूप से वृद्धि की है

(2) कृषि व्यवस्था में सुधार कर देश के ग्रामीण अर्थतंत्र को सशक्त बना सकते हैं।

"उन्हें धर्मगुरुओं ने बताया था कि
आत्महत्या करने वाला सीधे नरक जाता है॥
फिर भी उसने आत्महत्या कर ली
क्या नरक से भी बदतर हो गई थी खेती॥"

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

27-0?-2024

प्रश्नों के सामने वाले सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

अभी कुछ वर्ष पूर्व एक प्राइवेट समूह ने एक सर्वे किया। जो विविध क्षेत्र के किसानों से मिले और उनसे सवाल किया कि कौन-कौन लोग अपने बच्चों को खेती में आने देने के इच्छुक हैं?

सर्वे के आंकड़े चौंकाने वाले थे। एक वैसे देश जहां पर्व व त्यौहार खेती पर आधारित है, एक ऐसे देश जहां कृषकों को अन्नदाता रूप में भगवान माने जाने की संस्कृति है वहां के 80% किसान अपने बच्चों को कृषि में आने देने के इच्छुक नहीं है।

लेकिन इतिहास जो भी ग्रामीण पृष्ठभूमि के लोग है वो इसे स्पष्ट ही समझेंगे कि आज भी हमारे देश में कृषि एक लाभ का व्यवसाय नहीं है। इसे 'मानसून का जुआ' कहा गया है। महाराष्ट्र, बुंदेलखंड

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

में आत्महत्या करते किसान इसी ग्रामीण भारत की यथार्थ छवि हमारे सामने रखते हैं। आज भी 'गोदान का होरी' बना हमारा किसान मॉल के सपने देख रहा है।

ऐसे में सवाल है कि कृषि की हालिया स्थिति क्या है? यह किस प्रकार ग्रामीण अर्थतंत्र से जुड़ी है? ग्रामीण अर्थतंत्र व कृषि की चुनौतियां व भावी संभावनाओं पर प्रकाश डालकर आगे बढ़ना तार्किक होगा।

सर्वप्रथम यदि भारत में किसान की स्थिति को व्यक्त करें तो अदम गोंडवी की पंक्ति याद आती है –

"छत से पानी टपकती है उस किसान की, फिर भी बारिश के लिए दुआएं करता है।"

उपरोक्त मार्मिक दृश्य के साथ देश की जी० डी० पी० में 18% के आसपास

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay
Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

27-01-2024

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidates should not write in this margin

योगदान के बाद भी इस पर निर्भर आबादी लगभग 50 % है। इनमें भी आज भी ग्रामीण आबादी का 2/3 भाग कृषि से जुड़ा मिलता है। ऐसे में कृषि में मौजूद गरीबी किसी से छिपी नहीं है।

यदि हम कृषि व ग्रामीण अर्थतंत्र के बीच संबंध को देखें, तो आज भी देश के ग्रामों में कृषि महत्वपूर्ण व्यवसाय है। यह ग्रामीण कार्यसमूह के रोजगार का सबसे बड़ा भाग है। इसलिए तो इसे 'भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़' सच में भी माना गया है।

अब सवाल है कि क्या सच में कृषि व्यवस्था में सुधारकर हम ग्रामीण अर्थतंत्र को सशक्त कर सकते हैं? इसे विभिन्न पक्षों में देखना उचित होगा।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

सर्वप्रथम बेरोजगारी के संदर्भ में कहें तो आज भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था 'प्रच्छन्न बेरोजगारी' व मौसमी बेरोजगारी से ग्रसित है। इसमें कृषि व्यवस्था में सुधार स्पष्ट तौर से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में श्रम उत्पादकता को बढ़ाते हुए एक गति दे सकती है।

इसी तरह विविध सूचकांकों में मिलने वाली ग्रामीण - शहरी असमानताओं को देखें तो चूंकि अंत भी 75% से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है। इसमें कृषि आय बढ़ाकर ग्रामीण समाज के भूख, कुपोषण, गरीबी जैसे मुद्दों को हल किया जा सकता है।

इसका एक सर्वोत्तम केस स्टडी रूप में pm द्वारा 'मन की बात' में महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले का ~~'हिवरे गा~~ 'हिवरे बाजार' गाँव है। 1990 के दशक

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

27-01-2024

तक यहां शहरी प्रवास, अकाल जैसी तमाम समस्या थी। लेकिन 2000 के करीब निर्वाचित प्रतिनिधियों ने मिलकर जल निभावक प्रबंधन, पौधारोपण माध्यम से नए प्रयास शुरू किए। यहां की बंजर भूमि को पुनः उर्वर बनाया गया।

हालिया हकीकत यह है कि आज 'हिवरे बाजार' से शहरी प्रवास शून्य हो गया है। यहां कोई भी व्यक्ति बी० पी० एल० (BPL) श्रेणी में नहीं है। इस प्रकार 'हिवरे बाजार' ने कृषि व्यवस्था सुधार माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्तता की ठोस बुनियाद रखी।

इसी तरह अवसंरचना संबंध में कृषि सुधार निवेशकों को फूड उद्योग के लिए आकर्षित कर ग्रामीण अर्थतंत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर सकते हैं। हालिया मेगा फूड पार्क योजना या बिहार सरकार की

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

हर पंचायत में एक खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापना के पीछे का उद्देश्य भी यही मालूम पड़ता है। इसी तरह राजस्थान के लापोडिया गांव का 'चौका सिस्टम' मॉडल जिसके लिए स्थानीय निवासी लक्ष्मण सिंह को पद्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। इस मॉडल ने भी यह साबित किया है कि कृषि व्यवस्था में सुधार लाकर ग्रामीण अर्थतंत्र को न केवल आत्मनिर्भर बल्कि शहर से ग्राम प्रवासन तक संभव है। जो भारत विचार, आर्थिक विकास के प्रभाव आयामों पर भी खरी दिखती है।

इसके साथ कृषि व्यवस्था में निवेश ग्रामीण भारत को डिजिटल, व रोड कनेक्टिविटी से जोड़ने में भी सहायक होंगे। सरकारें इस ओर ध्यान देंगी।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

27-01-2024

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

इसके साथ ही एक पक्ष महिलाओं का भी है। यदि कृषि व्यवस्था में सुधार हुआ तो विशेषतौर पर महिला किसानों, गांव की जीविका समूहों, को सामाजिक व आर्थिक स्तर पर प्रोन्नति हासिल होगी। जिस हेतु हमारे संवैधानिक लक्ष्य भी तत्पर दिखते हैं।

इसी तरह एक अन्य उदाहरण बिहार के समस्तीपुर का चंद्रपुर औंठिया ग्राम है। जहाँ जो बिहार का पहला जैविक कृषि वाला गांव माना जाता है। इसने भी जैविक खेती के दम पर अपनी ग्रामीण अर्थतंत्र में आमूल चूल बदलाव देखे हैं।

लेकिन इस कृषि व्यवस्था से कई चुनौतियां जुड़ी हुई हैं। आज भी पर्याप्त कनेक्टिविटी आधार, जागरूकता आभाव में ग्रामीण कृषि व गांव पिछड़े हैं।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

आज भी कृषि सुधार के तमाम प्रयास प्रशासनिक कमजोरी, भ्रष्टाचार, अक्षम माहौल में दम तोड़ रहे हैं। बड़े किसान तमाम बैंकिंग, सस्ते ब्याज लेते हैं लेकिन छोटे ग्रामीण किसानों की हालात शिकस्त है। अदम गोंडवी ने भी लिखा है -

"तुम्हारी फाइल में मेरे गांव का मौसम गुलाबी है,
मगर ये आंकड़े झूठे हैं और दावे किताबी हैं।"

आज भी ग्रामीण किसान डिजिटल असाक्षरता, बाजार की कमी, व्यवसायिक कृषि अभाव, मानसून पर आश्रित होकर तमाम चुनौतियों से ग्रस्त है। जिससे पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था डांवाडोल दिखती है तथा ग्राम-शहरी असमानता लगातार बढ़ती नजर आती है।

ऐसे में आज सरकारों को 70% आबादी वाले गांवों की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने हेतु कृषि व्यवस्था में हस्तक्षेप करने होंगे। आज जरूरत है कि सरकारें

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

27-01-2024

प्रश्नों के सामने बने सही खाने में Tick का निशान लगाएँ।
Mark Tick in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को अमल में लाए। साथ ही अशोक दलवई कमिटि की कृषि आय दोगुनीकरण रिपोर्ट के आधार कृषि आय को दोगुना करने की दिशा में प्रयास करें।

इस संदर्भ में बिहार के कृषि रोड मैप (1), 2, 3, (4) को देखा जा सकता है। साथ ही आंध्रप्र० के 'रायथु केंद्र' पहल को सर्वोत्तम प्रथा रूप में स्थापित कर हर प्रांत स्तर पर किसान को एक स्थान पर तमाम तकनीकी, आर्थिक सहायता हेतु ऐसे केंद्रों का विकास किया जाना चाहिए।

और तो और हमें 'एक जिला एक उत्पाद', हर प्रांत मेगा फूड पार्क, जैविक गांवों को बढ़ावा, जैसे कार्यकारी प्रयास कर सकेंगे, किसान व प्रांत तक पहुंचना होगा।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

आज APJ कलाम सर की PURA पहल हो या फिर 'श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन' सभी को कृषि व ग्रामीण विकास से जोड़कर प्रयास करने होंगे।

अतः आज हमें अपनी कृषि व्यवस्था में तमाम सुधार कर ग्रामीण अर्थतंत्र को आत्मनिर्भर बनाना होगा। यदि हम आज फिर अपने सबसे निचले व गरीब किसान व गांव तक नहीं पहुंच पाए तो 5T $ का लक्ष्य बस एक मृगमरीचिका ही रहेगी।

कृषि व ग्रामीण विकास अभाव में हमारा भविष्य किसी सोनार के सोने के पानी चढ़े आभूषण समान होगा, जो भले दूर से चमकीला दिखे लेकिन पास जाने पर सारा भ्रम टूट जाएगा।

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

27-01-2024

यदि हमें वास्तविक और पर देश के विकास को 'सोने की चिड़िया' का रूप देना है तो कृषि सुधारों व उसके पूरक रूप में ग्रामीण अर्थतंत्र सुधारों के साथ ठोस बुनियाद रख सकते हैं।

"माना कि अंधेरा घना है,
लेकिन दीया जलाना कहाँ मना है॥"

अर्थात् तमाम असमानता आधारित विकास के आंकड़ों के बादल तले कृषि सुधार के साथ एक दीप जलाकर शुरुआत करना समय की मांग है।

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही खाने में Tick ☑ का निशान लगाएँ।
Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

27-11-2024

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidates should not write in this margin

Section—II

खण्ड—II

Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

5. ☑ Current status of women empowerment : In perspective of political empowerment

महिला सशक्तिकरण की वर्तमान स्थिति : राजनैतिक सशक्तिकरण के परिप्रेक्ष्य में

6. ☐ Need and importance of Yoga for spiritual progress and physical and mental development

आध्यात्मिक उन्नति तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए योग की आवश्यकता और महत्त्व

7. ☐ Advantages and disadvantages of the New Education Policy, 2023

नई शिक्षा नीति, 2023 के फायदे और नुकसान

8. ☐ Impact of climate change on Indian agriculture and prevention measures

भारतीय कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा बचाव के उपाय

(5.) महिला सशक्तिकरण की वर्तमान स्थिति : राजनीतिक सशक्तिकरण के परिप्रेक्ष्य में

"मैं अबला नादान नहीं हूँ,
दबी हुई पहचान नहीं हूँ।
मैं स्वाभिमान से जीती हूँ,
रखती अंदर खुद्दारी हूँ।
मैं आधुनिक नारी हूँ ॥

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

एक स्त्री का समाज से प्रश्न था कि वह कौन है ? समाज का उत्तर है कि वह एक महिला है, वह एक माँ है, वह एक पत्नी है, वह एक पुत्री है। स्त्री ने यह सुन स्वयं को उसी अनुरूप ढाल दिया। दूसरों की इच्छा पूरी करते-करते वो ऐसी हो गई, मानो उसकी इच्छा ही मर गई हो। समाज ने हमेशा ही स्त्रियों को बस मर्यादा में रहने की बात कही।

लेकिन आधुनिक समय में किरण बेदी, द्रोपदी मुर्मु, मीरा बाई चानू जैसी महिलाओं ने एक नई बुनियाद रखी है। जिसमें महिला सशक्तिकरण व नारीवाद लगातार उन्नति की दिशा में बढ़ रही है।

ऐसे में हमारे मस्तिष्क में अनायास ही प्रश्न उठते हैं कि आखिरकार महिला सशक्तिकरण ~~की~~ के मायने क्या है ?

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

27-01-2024

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

राजनीतिक सशक्तिकरण के विशेष संदर्भ में महिलाओं की स्थिति क्या रही है? तमाम चुनौतियों पर विचार करते हुए आगे बढ़ना आवश्यक होगा।

सर्वप्रथम महिला सशक्तिकरण को देखें तो इसका तात्पर्य विविध क्षेत्र में महिलाओं को अपने आप में सशक्त होना है। इस परिप्रेक्ष्य में सिमोन द बवुआ ने अपनी पुस्तक 'द सेकेंड सेक्स' में लिखा है - "महिलाएं पैदा नहीं होती बल्कि बना दी जाती है।"

ऐसे संदर्भ में देखें तो महिला सशक्तिकरण का बुनियादी अर्थ महिलाओं का सामाजिक दायरे से बाहर निकलकर स्वयं के निर्णयों को स्वयं से करने की क्षमता से है।

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

राजनीतिक सशक्तिकरण रूप में . महिलाओं की स्थिति की विशेष रूप से बात करें तो प्राचीन काल में भी सभा, समितियों में महिलाओं की स्थिति देखी गई है। गार्गी, अपाला, लोपामुद्रा इसी के तो उदाहरण हैं।

लेकिन वैदिक काल में स्थिति में गिरावट आई थी। लेकिन इसके बाद भी सातवाहन वंश में मातृसत्तात्मकता की विशेष झलक दिखती है। गौतमीपुत्र शातकर्णी रूप से इसे देखा जा सकता है।

इसी तरह मध्य काल में रजिया सुल्तान का दिल्ली का बादशाह हो या फिर अकबर कालीन दुर्गावती और द० भारत की रुद्रमा देवी का शासनकाल; महिलाओं की राजनीति में उपस्थिति को स्पष्ट दिखलाता है।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

27-01-2024

लेकिन, अब यदि हम वर्तमान समय की राजनीतिक सशक्तिकरण की स्थिति को देखें तो निम्न संदर्भों को अंकित किया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संदर्भों की बात करें तो USA की कमला हैरिस, इटली की जार्जिया मेलोनी, यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष रूप में महिला की स्थिति से लेकर पाकिस्तान की बेनजीर भुट्टो, लाइबेरिया की जान शेरलीफ रूप में महिला राष्ट्रपति का कार्यकाल काफी अहम रूप में देखा जा सकता है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट भी वैश्विक महिला सशक्तिकरण की इसी स्थिति को दिखाती है। अब यदि राष्ट्रीय संदर्भ में देखें भारत की भूमि वैदिक मंत्र

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

को पालन करती दिखती है कि -

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते : तत्र रमन्ते देवता ॥

आजादी के बाद से राष्ट्रीय नेतृत्व में इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी, सुचेता कृपलानी, ममता बनर्जी, मायावती, द्रौपदी मुर्मु, जैसी मानवीय महिला नेतृत्व में भारत ने तमाम शिखरों को छुआ है।

लैंगिक राजनीतिक सशक्तिकरण की सबसे ठोस बुनियाद 73 वें संशोधन के बाद पंचायत स्तर पर देखने को मिली है। बिहार की मुखिया 'रीतू जयसवाल' से लेकर उड़ीसा के केंद्रपारा जिले की 'जीवन प्रियदर्शनी' जैसे तमाम उदाहरण उल्लेखनीय है।

आज जहां एक समय बिहार में कोई महिला सरपंच नहीं थी वहीं आज 3000+ सरपंच महिलाएं हैं। लेकिन

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay
Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick का निशान लगाएँ। Mark Tick in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

27-01-2024

इस प्रकार उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में महिलाएं राजनीति में मुख्य भागीदार तो नजर आती हैं। लेकिन इस छुपे पक्ष का एक काला अध्याय भी है, जो हमसे गंभीर सवाल करता है। यहां कवि की उस पंक्ति को याद किया जा सकता है कि –

"काल तक जो वरदान थे उसके,
आज वो ही हैं पाप बने।
अपनी ही बिटिया के कातिल,
उसके मां-बाप बने॥

आज भी हमारी संसद में औसतन लगभग 12% महिलाएं हैं। राज्यों की स्थिति और भी खराब है। यहां महिला विधायक महज 8% हैं। वहीं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी आज भी गिने चुने देशों में महिलाएं शीर्ष नेतृत्व में हैं। आज भी राजनीति

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

में महिलाओं हेतु 'ग्लास सीलिंग' लगी हुई है।

स्थानीय स्तर पर हमारे बीच 'मुखिया पति', सरपंच पति का तात्पर्य इसी राजनीतिक सशक्तिकरण की कमजोर बुनियाद को दिखाता है। तभी तो भारत की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट, में राजनीतिक रूप से महिला स्थिति में 48 वां रैंक के बावजूद अंक महज 2.8 है।

राजनीति में महिला की इस स्थिति को लेकर तमाम कारण गिनाए जा सकते हैं। चाहे वह पितृसत्तात्मक सोच हो या धार्मिक व सामाजिक रूढ़ियों की सक्रियता। बेनजीर भुट्टो ने अपनी पुस्तक 'द डॉटर ऑफ ईस्ट' में उल्लेख किया है कि धार्मिक पुस्तकें लैंगिक रूप से तटस्थ नहीं हैं।

इसके अलावे महिलाओं की पुरुष पर आर्थिक निर्भरता के कारण भी

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

27-01-2024

महिलाएं सशक्त नहीं हो पा रही है। ऐसे में आज महिलाओं के समस्त सशक्तिकरण हेतु भी राजनीति में महिलाओं को प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

स्वयं अम्बेडकर साहब ने कहा था — "मैं किसी समाज की प्रगति को वहां की महिला प्रगति पर आंकता हूं।"

इसी परिप्रेक्ष्य में हालिया भारत सरकार की "नारी शक्ति वंदन अधि० 2023" को अंकित किया जा सकता है। जिसने विधायिका व संसद में 33% महिलाओं को आरक्षित किया है।

इसके साथ ही UN-वीमेन, युनिसेफ, राष्ट्रीय महिला आयोग की "शी इज ए चेंजमेकर" कार्यक्रम सहायता से महिलाओं को राजनीतिक सशक्त करने

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

की मुहिम भी जारी है।

और इस राजनीतिक सशक्तिकरण का सर्वाधिक लाभ कानून निर्माण में लिंग संवेदनशीलता का बढ़ना होगा। आज संसद में घरेलु हिंसा, वैवाहिक बलात्कार के मुद्दों पर ये महिला सांसद एक अपना पक्ष भी रख पाएंगी।

इसके अलावे इस सशक्तिकरण की दिशा में अहम कार्य हमारी मीडिया भी कर रही है। हाल में संसद TV का 'अपना आसमां' कार्यक्रम हो या सोनागाछी की सफलताओं पर आधारित कार्यक्रम इन्हों ने महिलाओं के सामने कई रोल मॉडल को किया है।

अंत में विक्टर ह्युगो के कथन को याद करना उचित लगता है कि – "कोई उस विचार को आने से नहीं रोक सकता

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

27-01-2024

जिसके आने का समय हो गया था।"

इस संदर्भ में आज नारीवाद व महिलाओं का राजनीतिक उत्थान का समय आ चुका है। आज सभी सरकारें, लोगों, न्यायालय, एन० जी० ओ० को साथ आकर इस दिशा में कार्य करने होंगे। तमाम पितृसत्तात्मक चुनौतियों के बाद भी महिलाओं को खुद को सबला के तौर पर पेश करना होगा।

आज जरूरत है कि आरंभ में पूछे उस सवाल कि मैं कौन हूं? का जवाब महिलाओं को स्वयं देना होगा। जो एक समूह व सशक्त व आत्मनिर्भर नारी रूप में होगी। जिसमें इंदिरा गांधी का तेज व मीराबाई चानू का कौशल भी होगा।

"तू हकीकत भी है, बस एक कहानी ही नहीं।
तेरी हस्ती भी है, बस एक जवानी ही नहीं।।
भाग्यशाली का तक संभलना है तुझे।
रुख बदल डाल, यदि फलना - फूलना है तुझे।।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

Section—III

खण्ड—III

Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

9. ☑ Bin samaj ke boli ho sakela ka, bin boli (Bhasha) samaj ho sakela ka!
बिन समाज के बोली हो सकेला का, बिन बोली (भाषा) समाज हो सकेला का!

10. ☐ Dhobiyak kukur nen ghar ke ne ghat ke
धोबियक कुकुर नें घर के ने घाट के

11. ☐ Agu nath nai pachhu pagaha, bina chhan ke kude gadha
आगु नाथ नै पाछू पगहा, बिना छान के कूदे गधा

12. ☐ Aner dhuner ke Ram rakhavar
अनेर धुनेर के राम रखवार

(9) बिन समाज के बोली हो सकेला का, बिन बोली समाज हो सकेला का!

प्रसंग 1 : एक बच्चा है जो सड़क पर राह चलते कुत्तों को पत्थर फेंक कर मार रहा है। कुत्ता की कराहना बच्चे को केवल एक शोर लग रही है। चूंकि बच्चा, कुत्तों के समाज का नहीं है ऐसे में उसकी बोली का उसके लिए कोई अर्थ ही नहीं दिखता है।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

27-01-2024

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

प्रसंग 2 : 1940 का दशक था, भगत सिंह, आजाद जैसे तमाम लोग देश की आजादी में प्राण दे चुके थे। ऐसे में एक तरफ 8 अगस्त को गांधी का आखिरी आह्वान "करो या मरो" हो या बोस का "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा" रूप में क्रांति का एक बिगुल फूंका जाता है। और पूरा भारतीय समाज स्वतंत्रता युद्ध में उतर जाता है।

ऐसे में दोनों प्रसंग यह बताते हैं जहां एक ओर बिना समाज के बोली की इसरी और बोली के दम पर उपजी सामाजिक क्रांति है। अर्थात बोली/भाषा व समाज परस्पर एक-दूसरे के पूरक रूप में हमेशा से एक-दूसरे की सार्थकता में अपनी भूमिका निभाते आ रहे हैं।

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

सर्वप्रथम यदि बोली की बात करें तो यह और कुछ नहीं अभिव्यक्ति का एक माध्यम है। इसी के द्वारा हम एक-दूसरे से जुड़ते हैं और समाज अस्तित्व में आता है। यदि हम इसके कथन "बिना बोली के समाज हो सकेगा क्या!" व्याख्या करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि समाज हेतु बोली जरूरी है। बोली के माध्यम से ही तो एक व्यक्ति दूसरे को समझता है तथा परस्पर तारतम्य संभव बनती है।

पारिवारिक स्तर पर भी इसी बोली के महत्ता के कारण एक माँ, बाप अपने नवजात शिशु को बोली सिखाने के कठिन प्रयास आरंभ में करता है। बच्चे का पहली बार 'मम्मी' या पापा बोलना, उस परिवार को एक अलग आनंद देता है। क्योंकि परिवार जानता है कि बोली ही तो है कि जिसके

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay
Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

माध्यम से वह मध्य आगे किसी से जुड़ पाएगा।

पति-पत्नी के मध्य 'आई लव यू' हो या 'आई हेट यू', इन बोलियों के माध्यम से ही मैं सामाजिक संबंध बनाते हैं। गालिब की शायरी से लेकर मिर्ज़ा की कहानियां ही मां के प्रेमी को शुरुआत में जोड़ती है।

यह बोली कभी सामाजिक स्तर पर असंतुलन का प्रतीक बनकर जनजातीय समाज को एकजुट करती है तो कभी 'जन गण मन' रूप में देशवासियों को तमाम विविधताओं के बावजूद एक-दूसरे से जोड़ती है।

आज हम वैश्वीकरण रूपी विश्व ग्लोबल विलेज रूपी समाज की

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने की सही बॉक्स में Tick को का निशान लगाएँ। Mark Tick in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

कल्पना कर रहे हैं, वह भी भाषाओं पर ही टिकी है। अंग्रेजी, हिंदी, स्पेनिश, चाइनीज से लेकर तमाम बड़ी और छोटी बोलियों ने एक-दूसरे को जोड़ा है।

बोली रूपी भाषा को दबाने का परिणाम ही तो था कि बंग्लादेश "आमार सोनार बांगला" तर्ज पर एक नया देश रूपी समाज बनकर अस्तित्व में आया।

लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी है, समाज हेतु बोली। भाषा की अनिवार्यता कह देना उचित नहीं लगता है। पारंपरिक तौर पर इतिहासकालीन समाज में भाषाओं के स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिले हैं। इसके अलावे यदि बोली ही समाज को बनाती तो एक नवजात शिशु और माँ का अनोखा वार्तालाप जिसमें माँ अपने शिशु की हर परेशानी समझती है, को आप कैसे देखेंगे?

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

27-01-2024

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

कई बार बोली के स्थान पर मौन अधिक प्रभावी कारक रूप में समाज का निर्माण करता दिखता है। कहा भी गया है —

"शब्द को क्या पढ़े, जो मौन न पढ़ सका, पार्थ हो या बुद्ध हो, ज्ञान मौन में मिला। मौन में ही प्रश्न था, मौन में ही उत्तर मिला॥"

अब हम यदि अपने पहले कथन "बिना समाज के बोली हो सकेगा क्या!" की व्याख्या करें, तो हम पाएंगे कि समाज के बिना भाषा रूपी बोली की महत्ता नहीं है।

हम मानव समाज रूप में कितना भी प्रयास कर लें पादप, जानवर रूपी समाज से परे उनकी बोलियों का हमारे लिए महत्ता नहीं दिखती। कुत्तों का

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

आँकना। बिल्ली का म्यां-म्यां का हमारे समाज से अलगाव का ही रूप है। बिना उस समाज के हम उस बोली को नहीं जान सकते।

एक विचार कीजिए कि हमें भाषा की जरूरत ही क्यों है? आखिरकार भाषा अभिव्यक्ति रूप में हमें अन्य से जोड़ता है। अब यदि समाज ही न हो तो जुड़ने का सवाल ही नहीं है तो बोली आती ही नहीं।

भाषा के विकास भी तो तभी हो पाया जब मानव एकाकी से सामुदायिक होने लगा। उसकी निर्भरता उसकी पर हुई। अब अन्य से जुड़ने हेतु उसे अभिव्यक्ति हेतु कुछ तो करना था, जो भाषा रूप में आई।

हमारे बिहार में एक कहावत भी है जिससे हम इस कथन को

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

27-01-2024

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

और बेहतर समझ सकते हैं। –

"चिड़िया के जान जाए, लड़का के खेलना"

अर्थात् पक्षी सुखी

समाज से अलग एक बच्चा चिड़िया या मेंढक के पैर में रस्सी डालकर उसे खिलौना समझता है जबकि समाज के समान परिस्थिति के अभाव में उसे चिड़िया का दुःख पता ही नहीं चलता क्योंकि वह उस समाज का नहीं है।

उपरोक्त दोनों प्रकथनों कि "बिन समाज के बोली हो सकेला का!, बिन बोली समाज हो सकेला का!" के व्याख्या के बाद हम स्पष्ट तौर पर यह कह सकते हैं कि समाज और भाषा दोनों संपूरक हैं। एक के बिना दूसरे का अस्तित्व कमतर लगेगा।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

समाज के स्तर पर निरंतर उत्थान हेतु भी बोली भी जरूरत है और बोली रूपी अभिव्यक्ति को समझने हेतु भी समाज की जरूरत है।

और आज के इस वैश्विक युग में ये संबंध और भी गहरे हुए हैं। भाषा आधार पर भारत में राज्यों का पुनर्गठन हो या विभिन्न क्षेत्रों भाषायी आंदोलन हो या फिर 21 फरवरी को UN द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस इसी को बताती है कि एक समाज हेतु बोली की महत्ता क्या है।

आज भाषा, कम्प्यूटर, टेक, AI, रोबोटिक्स का उपयोग कर और समृद्ध हो रही है। और कृत्रिम भाषाएं, मिश्रित भाषा (हिंग्लिश, चैट) का प्रचलन होने लगा है।

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिया में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

27-01-2024

ऐसे में आज जरूरत है कि हम बोली रूपी भाषा की महत्ता को समझते हुए अपनी भाषा को मधुर बनाएं और समाज में करुणा, सहानुभूति, प्रेम के प्रसार में इसे सहायक बनें। कबीर साहब की "मीठी वाणी बोलिए...." को चरितार्थ करें।

साथ ही बोली के साथ मौन को भी नजरअंदाज न करते हुए मौन रूपी अभिव्यक्ति का भी सम्मान करें। अतः बोली अभिव्यक्ति रूप में समाज में जुड़ने और इसी तरह समाज की स्थापना हेतु, बोली की जरूरत अवश्यम्भावी है।

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

27-01-2024

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

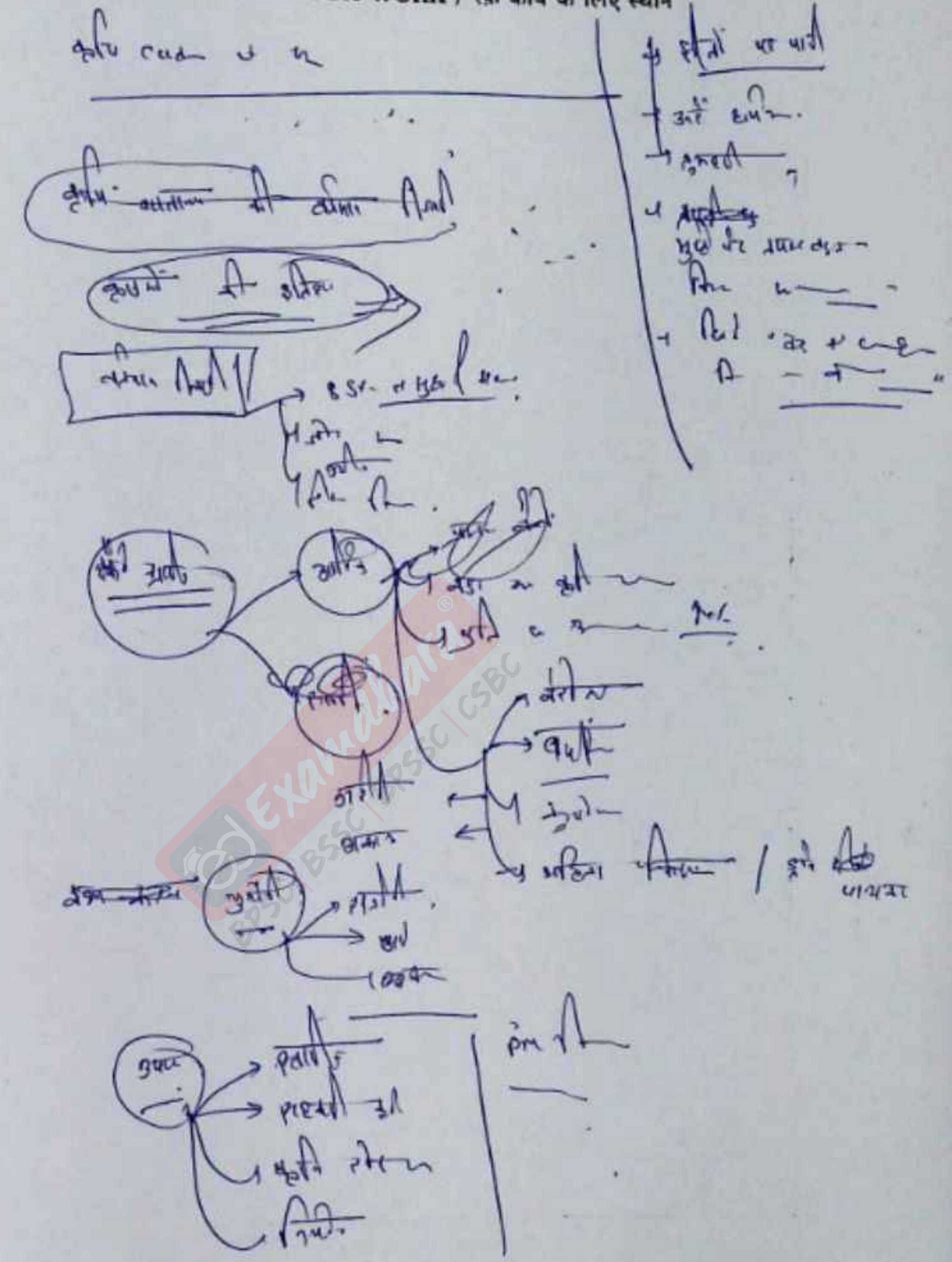

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

27-01-2024

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

★★★

Ankit Kumar Ranjan, Rank 23 (69th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com